

Under Singh
Advocate

Civil Court Compound
Dehradun

897841103



CANCELLED

CANCELLED

केवल प्रतिलिपि फीस हेतु
प्रतिलिपि हेतु न्यायालय शुल्क- 10/- रूपयें

पारना पत्र देने का दिनांक	नोटिस का दिनांक	जारी करने का दिनांक	रजिस्टार मुख्य प्रतिलिपिका
60 23 SEP 2013	24-9-13	24-9-13	<i>[Signature]</i>



न्यायालय.....
अपर सिविल जज (सी०डि०)

देहरादून
शुक्रवादिदिनांक 25/09/2013
शुक्रवादिदिनांक मजिस्ट्रेट कार्यालय

संलग्न नकल सिद्धि
S. S. [Signature]

निस्तारण वाद बिन्दु संख्या 4

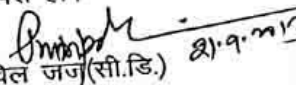
प्रस्तुत वाद बिन्दु इस आशय से गिरचित किया गया है कि क्या प्रतिवादी द्वारा प्रतिदावे का मूल्यांकन अल्पमूल्यांकित कर अपर्याप्त न्याय शुल्क अदा किया है? यह वाद बिन्दु वादी के अभिवचनों पर आधारित है अतः इसके सिद्धी का भार भी प्रतिवादी पर है।

वादी द्वारा अभिकथन किया गया है कि प्रतिवादी द्वारा प्रतिदावे का मूल्यांकन अल्पमूल्यांकित कर अपर्याप्त न्याय शुल्क अदा किया गया है।

जबकि इसके विरुद्ध प्रतिवादी द्वारा कथन किया गया कि प्रतिवादी द्वारा प्रतिदावा वादी के विरुद्ध उद्घोषणा व स्थाई निषेधाज्ञा हेतु दावा योजित किया गया है तथा उस पर नियमानुसार अधिकतम न्याय शुल्क अदा किया गया है।

पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रतिवादी द्वारा प्रतिदावा वादी के विरुद्ध उद्घोषणा व स्थाई निषेधाज्ञा हेतु दावा योजित किया गया है और प्रतिवादी ने नियमानुसार प्रतिदावे का मूल्यांकन करते हुए उस पर अधिकतम न्याय शुल्क अदा किया है। जबकि वादी द्वारा ऐसा कोई साक्ष्य या दस्तावेज दाखिल नहीं किया गया है जिससे विदित होता हो कि प्रतिवादी द्वारा प्रतिदावा अल्पमूल्यांकित कर अपर्याप्त न्याय शुल्क अदा किया हो। ऐसी परिस्थिति में प्रतिवादी द्वारा अपने प्रतिदावे का मूल्यांकन उचित किया गया है तथा उस पर अधिकतम न्यायालय शुल्क अदा किया गया है। तदनुसार यह वाद बिन्दु संख्या 4 प्रतिवादी के पक्ष में निर्णीत किया जाता है।

पत्रावली वास्ते वादी साक्ष्य हेतु लंच बाद पेश हो।

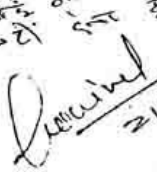

सिविल जज (सी.डि.) 21.9.2013
देहरादून।

No evidence
is required

21/9/13
S.S.

दिनांक 21.9.2013

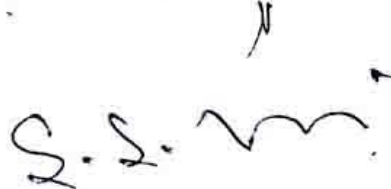
पत्रावली लंच बाद लोक अदालत के समक्ष पेश हुई। वाद पुकारा गया।
पत्रावली मेगा लोक अदालत के समक्ष पेश हुई। उपयपक्षकार मर; विद्वान
अधिवक्ता उपस्थित है।



पक्षकारों की ओर से अभिकथन किया गया कि उन्हें कोई साक्ष्य नहीं देना
है। अतः पक्षकारों की साक्ष्य समाप्त की गई।

पक्षकारों की ओर से कथन किया गया कि उनका आपस में समझौता हो
गया है अतः उनके द्वारा दाखिल राजीनामा 22ए/1 लगायत 22ए/2 के
आलोक में वाद का निस्तारण कर दिया जाये।





पत्रावली के अपलोकन से विदित है कि वादी व प्रतिवादी द्वारा राजीनामा पत्र 22ए/1 लगायत 22ए/2 प्रस्तुत किया गया है तथा पक्षकारों के हस्ताक्षरों की शिनाख्त उनके विद्वान अधिवक्तागण द्वारा किया गया। उक्त राजीनामा 22ए/1 लगायत 22ए/2 पक्षकारों को पढ़कर सुनाया व समझाया गया, पक्षकारों द्वारा उक्त राजीनामा बिना किसी भय, दबाव एवं प्रलोभन के स्वतंत्र सहमति से किया जाना बताया गया। जिसके बाद पक्षकारों द्वारा न्यायालय के समक्ष राजीनामा हस्ताक्षरित किया गया, जिसे न्यायालय द्वारा सत्यापित किया गया था।

ऐसी परिस्थिति में जबकि वादी व प्रतिवादी के मध्य राजीनामा हो गया है, वादी द्वारा प्रस्तुत वाद राजीनामा 22ए/1 लगायत 22ए/2 के आलोक में निर्णीत किये जाने योग्य है।

आदेश

वादी द्वारा प्रस्तुत वाद वादी व प्रतिवादी के मध्य हुए राजीनामा 22ए/1 लगायत 22ए/2 के आलोक में निर्णीत किया जाता है। राजीनामा 22ए/1 लगायत 22ए/2 डिकी का भाग रहेगा। पत्रावली नियमानुसार दाखिल दफ्तर हो।



Pumpak
21.9.2013
सिविल जज (सी.डि.)
देहरादून।

सत्य प्रतिलिपि
[Signature]
मुख्य प्रतिलिपिकार
प्रतिलिपि विभाग (सिविल),
जयपद-न्यायालय, देहरादून

Advocate

Civil Court Compound
Dehradun

9897841103



कंचल प्रांतालाप फास हंयुं
प्रतिलिपि हेतु न्यायालय शुल्क- 10/- रूपयें

प्रार्थना पत्र देने का दिनांक	नोटिस का दिनांक	जारी करने का दिनांक	हरताक्षर मुख्य प्रतिनिधित्व
60 23 SEP 2013	24 SEP 2013	24 SEP 2013	

न्यायालय.....
अपर सिविल जज (सी०डि०)
देहरादून

२०१३/१३

२०१३/१३



संलग्न नकल २०१३



समाक्ष न्यायालय सिविल न्यायाधीश वरिष्ठ वर्ग देहरादून।

मूलवाद संख्या वर्ष 2013

श्री सुखवीर सिंह

विपरीत

श्री गोविन्द सिंह

22/11
1

महोदय,

पक्षकारों के मध्य सभ्रांत व्यक्तियों के पड जाने के कारण पक्षकारों में निम्न समझौता हो गया है:-

- 1- यह कि पक्षकारों के मध्य यह तय पाया गया है कि संलग्न मानचित्र के अनुसार लाल रंग से दर्शित भाग में प्रतिवादी का स्वामित्व व अध्यासन रहेगा।
- 2- यह कि संलग्न मानचित्र में हरे रंग से दर्शित भाग में वादी का स्वामित्व व अध्यासन रहेगा।
- 3- यह कि वादी व प्रतिवादी एक दूसरे के स्वामित्व व अध्यासन में किसी प्रकार का कोई अतिक्रमण नहीं करेंगे और न ही एक दूसरे के शान्तिपूर्ण अध्यासन में किसी प्रकार का हस्तक्षेप करने का प्रयास करेंगे और न ही इसका कारण बनेंगे।
- 4- यह कि यह न्याय के हित में है कि उपरोक्त समझौते के अनुसार वाद को निर्णित कर दिया जावे।

अतः माननीय महोदय से नम्र प्रार्थना है कि उपरोक्त समझौते के अनुसार वाद को निर्णित कर दिया जावे।

Pravind
प्रतिवादी

दिनांक: 16-09-2013
देहरादून
प्रस्तुत कर्ता

Pravind
प्रतिवादी

S.S. Singh
वादी



आज दिनांक 21-9-13 को माडी सुल्तान पीसह
 एकां राजा ए. 7. ~~अधिकार~~ वाली सुल्तान - की
 शिमाहते की वीरुद पीसह पीसह पीसह पीसह - की - की
 पीसह पीसह की पीसह पीसह पीसह - की - की
 पीसह पीसह की पीसह पीसह पीसह - की - की
 पीसह पीसह की सुल्तान पीसह की सुल्तान पीसह
 पीसह पीसह की सुल्तान पीसह पीसह पीसह पीसह
 पीसह पीसह की पीसह पीसह पीसह व पीसह
 की पीसह पीसह पीसह पीसह सुल्तान
 पीसह पीसह पीसह पीसह पीसह

~~Received~~
 अधिकारी
 Sir J. K. ...
 (Name)

(Pravesh Kumar)
 Advocate verified.

S.S. ...
 वादी
 Sir J. K. ...
 (Ravinder Singh)
 Advocate



Civil Judge (S.D.)
 Dehra Dun
 21-9-13

सत्य प्रतिलिपि
 मुख्य प्रतिलिपिकाद
 प्रतिलिपि विभाग (सिविल)
 जनपद-न्यायालय, देहरादून

निस्तारण वाद विन्दु संख्या 4

प्रस्तुत वाद विन्दु इस आशय से विरचित किया गया है कि क्या प्रतिवादी द्वारा प्रतिदावे का मूल्यांकन अल्पमूल्यांकित कर अपर्याप्त न्याय शुल्क अदा किया है? यह वाद विन्दु वादी के अभिवचनों पर आधारित है अतः इसके सिद्धी का भार भी प्रतिवादी पर है।

वादी द्वारा अभिकथन किया गया है कि प्रतिवादी द्वारा प्रतिदावे का मूल्यांकन अल्पमूल्यांकित कर अपर्याप्त न्याय शुल्क अदा किया गया है।

जबकि इसके विरुद्ध प्रतिवादी द्वारा कथन किया गया कि प्रतिवादी द्वारा प्रतिदावा वादी के विरुद्ध उदघोषणा व स्थाई निषेधाज्ञा हेतु दावा योजित किया गया है तथा उस पर नियमानुसार अधिकतम न्याय शुल्क अदा किया गया है।

पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रतिवादी द्वारा प्रतिदावा वादी के विरुद्ध उदघोषणा व स्थाई निषेधाज्ञा हेतु दावा योजित किया गया है और प्रतिवादी ने नियमानुसार प्रतिदावे का मूल्यांकन करते हुए उस पर अधिकतम न्याय शुल्क अदा किया है। जबकि वादी द्वारा ऐसा कोई साक्ष्य या दस्तावेज दाखिल नहीं किया गया है जिससे विदित होता हो कि प्रतिवादी द्वारा प्रतिदावा अल्पमूल्यांकित कर अपर्याप्त न्याय शुल्क अदा किया हो। ऐसी परिस्थिति में प्रतिवादी द्वारा अपने प्रतिदावे का मूल्यांकन उचित किया गया है तथा उस पर अधिकतम न्यायालय शुल्क अदा किया गया है। तदनुसार यह वाद विन्दु संख्या 4 प्रतिवादी के पक्ष में निर्णित किया जाता है।

पत्रावली वास्ते वादी साक्ष्य हेतु लंच बाद पेश हो।

[Signature]
सिविल जज (सी.डि.) 21.9.2013
देहरादून।

*No evidence
is required
21/9/13
G.S.*

दिनांक 21.9.2013

पत्रावली लंच बाद लोक अदालत के समक्ष पेश हुई। वाद पुकारा गया।
पत्रावली मेगा लोक अदालत के समक्ष पेश हुई। उपयपक्षकार मर, विद्वान
अधिवक्ता उपस्थित है।

[Signature]
21/9/13 पक्षकारों की ओर से अभिकथन किया गया कि उन्हें कोई साक्ष्य नहीं देना
है। अतः पक्षकारों की साक्ष्य समाप्त की गई।

पक्षकारों की ओर से कथन किया गया कि उनका आपस में समझौता हो
गया है अतः उनके द्वारा दाखिल राजीनामा 22ए/1 लगायत 22ए/2 के
आलोक में वाद का निस्तारण कर दिया जाये।



2
पत्रावली के अवलोकन से विदित है कि वादी व प्रतिवादी द्वारा राजीनामा प्रपत्र 22ए/1 लगायत 22ए/2 प्रस्तुत किया गया है तथा पक्षकारों के हस्ताक्षरों की शिनाखा उनके विद्वान अधिवक्तागण द्वारा किया गया। उक्त राजीनामा 22ए/1 लगायत 22ए/2 पक्षकारों को पढ़कर सुनाया व समझाया गया, पक्षकारों द्वारा उक्त राजीनामा बिना किसी भय, दयाव एवं प्रलोभन के स्वतंत्र सहमति से किया जाना बताया गया। जिसके बाद पक्षकारों द्वारा न्यायालय के समक्ष राजीनामा हस्ताक्षरित किया गया, जिसे न्यायालय द्वारा सत्यापित किया गया था।

ऐसी परिस्थिति में जबकि वादी व प्रतिवादी के मध्य राजीनामा हो गया है, वादी द्वारा प्रस्तुत वाद राजीनामा 22ए/1 लगायत 22ए/2 के आलोक में निर्णीत किये जाने योग्य है।

आदेश

वादी द्वारा प्रस्तुत वाद वादी व प्रतिवादी के मध्य हुए राजीनामा 22ए/1 लगायत 22ए/2 के आलोक में निर्णीत किया जाता है। राजीनामा 22ए/1 लगायत 22ए/2 डिक्री का भाग रहेगा। पत्रावली नियमानुसार दाखिल दफ्तर हो।



Pumpak
21.9.2013
सिविल जज (सी.डि.)
देहरादून।

सत्य प्रतिलिपि
Pumpak
21-9-13
मुख्य प्रतिलिपिकार
प्रतिलिपि विभाग (सिविल)
जनपद-न्यायालय, देहरादून

Advocate



Civil Court Compound
Dehradun

197841103

केवल प्रतिलिपि फीस हेतु
प्रतिलिपि हेतु न्यायमलय शुल्क- 10/- रुपये

प्रार्थना पत्र देने का दिनांक	नोटिस का दिनांक	जारी करने का दिनांक	हस्ताक्षर मुख्य प्रतिलिपिक
60 23 SEP 2013	24 SEP 2013	24-9-13	

न्यायालय.....
अपर सिविल जज (सी०डि०)
देहरादून

मुख्यालय नं० 308/13

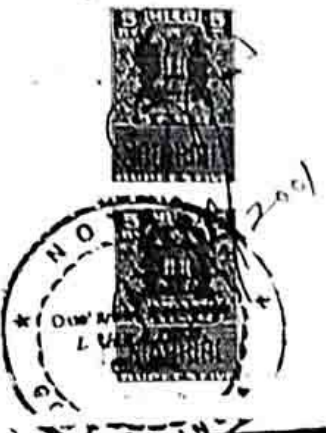
दस्तावेज नं० 100/13



संलग्न नकल व साक्ष्य नकल

अन्तिम-सूचना पत्र

2
9/8



यह अन्तिम सूचना पत्र आज दिनांक 4-1-2001 को रमान
देहरादून में श्री हरि सिंह नेगी पुत्र श्री गट्टू सिंह नेगी निवासी
28 सी 2653 वकरोता रोड देहरादून । जिसको इस प्रपत्र में
निष्पादक वह पर सम्बोधित किया गया है। — निष्पादक

जैसा कि निष्पादक सम्पत्ति संख्या 28 सी । न्या नं० 65 ।
वकरोता रोड, देहरादून का एक मात्र स्वामी व अध्यासी है।
इस सम्पत्ति में निष्पादक सपरिवार निवास कर रहा है तथा
अंग्रेज पर व्यवसाय कर रहा है। इस सम्पत्ति के एक भाग में एक
व्यापार नेगी जनरल स्टोर के नाम से निष्पादक के पुत्र श्री
सुखवीरसिंह नेगी का व्यापार चल रहा है। यह सम्पत्ति अन्य
सम्पत्ति के साथ विदेता ने श्रीमती सत्य कती गुप्ता से विग्रह
विलेख दिनांक 9-5-1978 के द्वारा ग्रह की थी।



Ali Khan

और जैसा कि निष्पादक इस विलेख की धुंय "क" व "ख"
में वर्णित सम्पत्ति का स्वामी व अध्यासी है। इसके अतिरिक्त
निष्पादक का उक्त सम्पत्ति में निवास व व्यवसाय है। निष्पादक
ने पंजाब नेशनल बैंक यमुना कालोनी देहरादून के बचत खाता संख्या
9424 खोल रखा है तथा अन्य वक्त सम्पत्तियाँ, घर का सामान
आदि भी है।

हरि सिंह



9/10
2

-2-

ओर जैसा कि निष्पादक का विवाह श्रीमती सीता देवी के साथ हुआ था। श्रीमती सीता देवी ने तीन पुत्र भ्रमशः वीर सिंह नेगी, श्री सुखमीर सिंह नेगी व गोविन्द सिंह नेगी रहे हैं तथा दो पुत्रियां भ्रमशः श्रीमती निखिला व कुमार कीयता हैं।

ओर जैसा कि श्री वीर सिंह नेगी गत 13 वर्षों से लापता है। ओर उनकी कोई जानकारी किसी सम्बन्ध में निष्पादक व उसके परिवार को नहीं है विधि अनुसार वह मृत है।

ओर जैसा कि इस विलेख की सूची "क" व "ख" में वर्णित सम्पत्ति पर मे वर्णित दुकानों में से एक दुकान पर मेरा पुत्र सुखमीर सिंह अलग दुकान परता है तथा गोविन्द सिंह अलग दुकान करता है।

ओर जैसा कि निष्पादक इस विलेख की सूची "क" व "ख" में वर्णित सम्पत्ति अपने पुत्र श्री सुखमीर सिंह तथा श्री गोविन्द सिंह को देना चाहता है। श्रीमती सीता देवी के सम्बन्ध अपने पुत्रों से बहुत अच्छे है। श्रीमती सीता देवी से वर्तमान अन्तिम इच्छा पत्र अर्पित करने का मेनि परामर्श कर लिया है। श्रीमती सीता देवी इस अन्तिम इच्छा पत्र को पुरत करती है।

ओर जैसा कि निष्पादक मानसिक रूप से स्थिर है। निष्पादक का वृद्ध अवस्था के कारण स्वास्थ्य नरम चल रहा है। निष्पादक की

हरी सिंह

A/11/2011

न्यायालय
डिस्ट्रिक्ट व
सेशन जज
देहरादून
उत्तराखण्ड

2/10/13

पेक्षर रोग से पीड़ित प्रदीक्षा विषया जा रहा है। अतः निष्पादक अपनी श्रद्धा बुद्धि व मन से अपना अन्तिम इच्छा पत्र अर्थात् व निष्पादित करना चाहता है।

अतः मैं श्री हरि सिंह नेगी पुत्र श्री गट्टू सिंह नेगी निवासी 28-सी-8658 चकरोता रोड, देहरादून श्रद्धा बुद्धि, स्वस्थ मन व स्वस्थ मानसिक स्थिति के रखते हूँ अपनी व अथवा सम्पत्ति व अन्तिम इच्छा निम्न प्रकार प्रकट करता हूँ कि जो मेरे मरणोपरान्त प्रभावी होगी।



क- यह कि पंजाब नेशनल बैंक यमुना कालोनी देहरादून में स्थित बचत खाता संख्या 9424 में उपलब्ध समस्त धन राशि निष्पादक की पुत्री कुमारी कविता नेगी को प्राप्त होगी तथा वह ही इसके एक मात्र स्वामी रहेगी और वह अपने विवाह में यह धन राशि व्यय करने के लिये स्वतन्त्र रहेगी।

ख- यह कि इस विलेख की सूचि "क" में वर्णित सम्पत्ति के स्वामी व अध्यासि श्री सुखवीर सिंह नेगी होंगे।

ग- यह कि इस विलेख की सूचि "ख" में वर्णित सम्पत्ति के स्वामी व अध्यासि श्री गोविन्द सिंह नेगी होंगे।

श्री सिंह

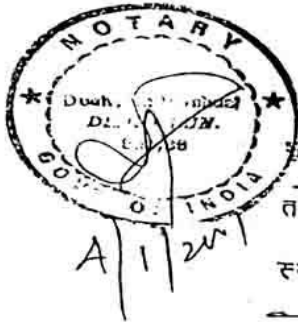


9/8/21
4

प - यह कि समस्त अन्य प्लान सम्पत्तित की स्वामी निष्पादक की धर्म पालन प्रतिबन्धी सतीत लेयी होगी।

2:- यह कि उपरोक्त के अतिरिक्त व्यवहारी के अतिरिक्त अन्य सभ्य वास्तुमान को सम्पत्तित व सम्बन्धित सम्पत्तित से देखल करता हूँ। मेरे मरणोपरान्त मेरी सम्पत्तित का स्वामित्व उपरोक्तानुसार ही होगा किसी अन्य को हस्तक्षेप का अधिकार नहीं होगा।

3:- यह कि वर्तमान अन्तिम इच्छा पत्र का निष्पादन श्री सुखमीर सिंह करेगा।



भूमि-क-

सम्पत्तित संख्या 28-सी-65 चकरोता रोड, देहरादून के भूखल में स्थित एक दुकान पैमाईश 9 फीट 8 इंच * 8 फीट 6 इंच तथा प्रथम तल पर स्थित दो कमरे, रसोई, बरामदा, शौचालय, स्नानगृह ॥ पूर्ण भूमितल ॥

भूमि-ख-

सम्पत्तित संख्या 28-सी-65 चकरोता रोड, देहरादून का एक भाग कि जिसमें भूखल पर एक दुकान तथा भूखल पर स्थित दो कमरे रसोई, स्नानगृह, शौचालय, बरामदा, तथा संपुक्त भूमिखंड हे अर्थात भूमि "क" में वर्णित सम्पत्तित को छोड़ कर समस्त भूमितल ।



हरीश

211/3

अतः मे हीर सिंह नेगी उपरोक्त निष्पादक ने साक्षी नं-1 श्री कुलदीप अशवाल पुत्र श्री महाराज सिंह अशवाल निवासी रानीपुर मोड़ टिखड़ी वी०एच०ई०एल०, हीरद्वार 2:- श्री जगदीप अशवाल पुत्र श्री महाराज सिंह अशवाल निवासी रानीपुर मोड़ टिखड़ी वी० एच० ई० एल० हीरद्वार के समक्ष अपने हस्ताक्षर कर दिये हे तथा उपरोक्त साक्षी ने निष्पादक के समक्ष अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिये हे सभी ने एक दूसरे के समक्ष अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिये हे ताकि समानुसार काम जाये।

हीर सिंह

॥ निष्पादक ॥

Identified by
 Adv.
 Prasad Mehta
 (Advocate)

साक्षी

1:-

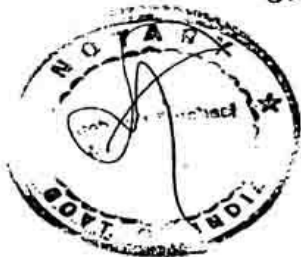
(कुलदीप सिंह अशवाल)
 रिवासी नवीपुर (हीरद्वार)

2:-

(जगदीप सिंह अशवाल)
 रिवासी नवीपुर (हीरद्वार)

सत्यता एवं फोटो सत्यापित कर्ता:-

द्वय कर्ता:- मंगल सेन मंगल सेन



ATTESTED
 4/1/2011
 BUSHYANT PARASHAR
 Advocate, Notary-Public
 Reg. No - 604/06, Dehra Dun



सत्य प्रतिलिपि
 24-9-13
 मुख्य प्रतिलिपिकार
 प्रतिलिपि विभाग (सिविल)
 जनपद-न्यायालय



रविन्द्र सिंह

John R

केवल प्रतिलिपि फीस हेतु

प्रतिलिपि हेतु न्यायालय शुल्क - ₹ 10/-

Triplicates

प्रार्थना पत्र देने का दिनांक	नोटिस का दिनांक	जारी करने का दिनांक	हस्ताक्षर मुख्य प्रतिलिपिक
S.1 22 OCT 2013	22 OCT 2013	22 OCT 2013	<i>[Signature]</i>

न्यायालय.....
अप्रैर सिलिल जज (सी०डि०)

देहरादून

कूलवाट सं० - 358/13

रुखावीट - ५२

रविन्द्र सिंह

संलग्न नकल

निम्न पत्र



भारतीय न्यायिक

दस
रुपये
₹.10



TEN
RUPEES

Rs.10

INDIA NON JUDICIAL

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND



19AA 464951

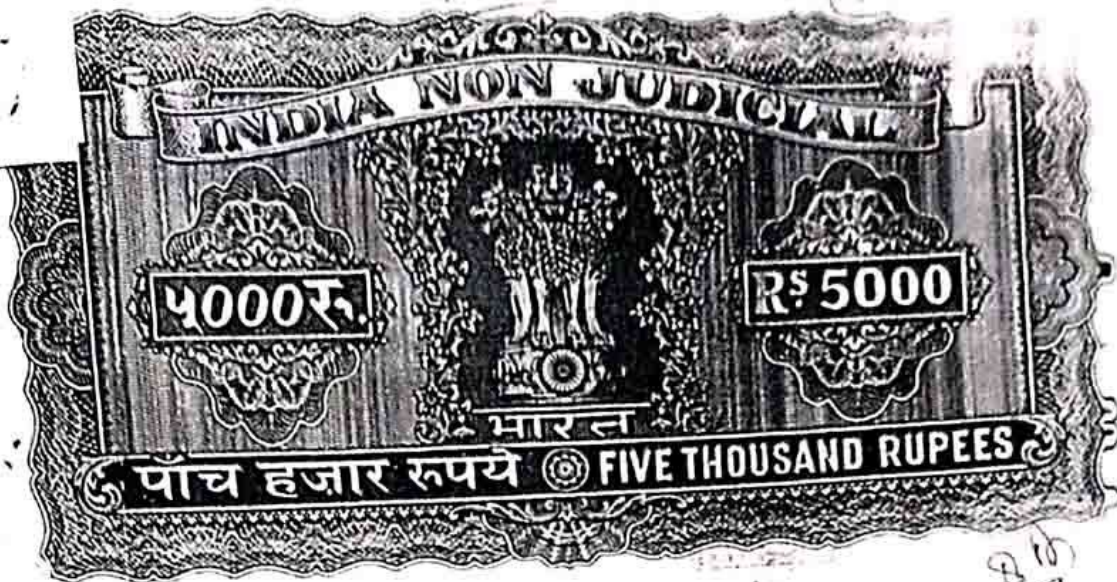
Stamp: 01/10/2013
10/10/2013
10/10/2013
10/10/2013
10/10/2013

न्यायालय.....
अप्रर सिविल जज (सी०डि०)
देहरादून

कूलवाड ए - 358/13
गोविन्द

सुखवी (—) —





Sale Deed.

THIS DEED OF SALE is made at Dehradun on this the 9th day of May, 1978, between SMT. SATYAWATI GUPTA wife of late Shri Niranjan Nath Gupta, r/o 28-C, Chakrata Road, Yamuna Colony, Dehradun (hereinafter called the SELLER) of the One Part AND (1) SHRI HARI SINGH s/o Shri Gattu Singh (2) SHRI RAGHUBIR SINGH s/o Shri Gyan Singh, both r/o Gram-Sarsawa, Tehsil Nakod, Distt. Saharanpur (hereinafter called the PURCHASERS) of the Other part.

WHEREAS, the terms Seller and Purchasers hereinafter used shall be deemed to include their respective heirs, successors and assignees, unless repugnant to the context or meaning thereof ;

AND WHEREAS, the Seller is the absolute and exclusive owner of the property described in the schedule given at the foot of this Deed, and fully shown in Red Colour in the Plan annexed hereto ;

and whereas, the Seller has agreed to sell and the Purchasers have agreed to purchase the property described in the schedule below vide agreement dated 20.8.1977, executed between

Signature

Signature





-2-

the parties registered in the office of the Sub-Registrar, Dehradun.

NOW THIS DEED WITNESSETH AS UNDER :-

THAT in pursuance of the said agreement and in consideration of a sum of Rs.60,000/- (Rs.sixty thousand only) paid in the following manner :

Rs.10,000/- paid at the time of the agreement of sale before the Sub-Registrar, Dehradun

Rs.50,000/- paid at the time of registration of this Sale-deed before the Sub-Registrar, Dehradun.

Rs.50,000/- (Rs.sixty thousands only)

(Receipt whereof the seller hereby acknowledges), the seller hereby convey, sell, transfer and alienate all that property described in the schedule below and more clearly shown in Red Colour in the plan annexed hereto, with all rights of easements, enjoyments etc. UNTO the purchasers TO HAVE and TO HOLD the same and that actual physical possession thereof has been delivered to the Purchasers on the spot. The



[Handwritten signatures]

200 RS



-3-

Seller hereby further covenants with the purchasers as under :-

1. That the title of the seller to the property hereby sold is free from all sorts of liens, charges and encumbrances and that the seller will keep the purchasers totally indemnified against all losses and damages, if any, found due to defective title of the seller. That the title of the seller to transfer the property hereby sold subsists.
2. That the seller shall pay and discharge payment of all kinds of taxes, cesses, ground rent etc., if any, upto date, regarding the property hereby sold.
3. That the seller shall, at all times hereafter when called upon, complete all other formalities thereto but at the costs and expenses of the Purchasers.
4. That the purchasers have become the sole owners of the property hereby sold, to derive all benefits therefrom, to make any constructions, additions or alterations etc. in the property hereby sold, and to use it for any purposes,



in any manner whatsoever, without any let, hindrance or interruption from the Seller or from any other person or persons claiming through, under or in trust for her.

5. That the purchasers, should not make any constructions without leaving 4-feet set-back within the 8-feet common passage between the property hereby sold and the remaining property of the seller.

6. That the property hereby sold enjoy sanitary fitting facilities within the remaining portion of the seller, which the seller shall stop forthwith or at any time when the seller likes.

7. That the property hereby sold is covered under the Urban Land (Ceiling and Regulation) Act, 1976 and necessary permission for its sale has been obtained.

8. That the property hereby sold is situated at about 4-kilometers from THE Railway Station.

9. That the property hereby sold is under the tenancy of several tenants.

10. That the market value of the property hereby sold is not more than Rs.50,000/- . The stamp duty paid is sufficient.

SCHEDULE OF THE PROPERTY HEREBY SOLD.

All that double-storied building with open courtyard appurtenant thereto, bearing Municipal no.28-C, Chakrata Road, Yamuna Colony, Dehradun, measuring 198.13 sq.meters (Open area 31.95 sq.meters and covered area 166.18 sq.meter) consisting of 4-shops in front portion and 2-flats of 2-rooms



Handwritten mark

each in the rear portion of the ground floor, and
 2 - flats of 2- rooms each on the 1st floor, occupied
 by several tenants, bounded and butted as under :-
 North:- 6'-1 1/2" wide common passage adjacent to the
 building and thereafter property of the seller.
 South:- Property of Shri K.L. Verma.
 East :- 8' wide common passage and thereafter land and
 property of the seller.
 West :- Road.

IN WITNESS WHEREOF THE seller has signed this
 Deed on the day, month and year first in above written.

SELLER *Smt. Satyawati Gupta*
 (Smt. Satyawati Gupta).

WITNESSES:-

1. *Ashok Kumar Verma*
2. *Padam Kumar Goyal*

Drafted by: *Ashok Kumar Verma* (Ashok Kumar Verma) Advocate,
 Dehradun.

TYPED BY: *Padam Kumar Goyal* (Padam Kumar Goyal) Typist,
 Dehradun.



सत्यवती गुप्ता
 मूद्रांकित
 धर्मपालिका
 जनपद देहरादून